बैठक की कार्यवाही
सत्र 2020–2021

सर्वप्रथम स्वशासी समिति प्रभारी डॉ. अर्चना चतुर्वेदी ने विगत अकादमिक परिषद की बैठक के निर्णयों का वाचन किया। तत्पश्चात परिषद के सदस्यों ने उक्त निर्णयों की सम्पुष्टि की।

बैठक की कार्यवाही में प्रथम एजेंडे में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों ने अपने अपने विभागों की अध्ययन मंडल की बैठकों में पारित निर्णयों को निम्नानुसार प्रस्तुत किया।

1. स्नातकोत्तर हिन्दी एवं प्रयोजन मूलक विभाग

2. हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मीना उपाध्याय सत्र 2019–20 तथा सत्र 2020–21 की अध्ययन मंडल की बैठक में पारित अनुशंसाओं को प्रस्तुत करते हुए कहा कि :

हिन्दी अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 20/08/2019 के अनुसार –

1. स्नातकोत्तर हिन्दी में प्रवेश संख्या 50 निर्धारित की गई है, अतः एम.ए. तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में 'जयशंकर प्रसाद' एवम् –'प्रेमचंद' वैकल्पिक प्रश्नपत्र चतुर्थ पेपर में केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा प्रेषित वैकल्पिक प्रश्नपत्र 'तुलसीदास' का पाठ्यक्रम यथावत् स्वीकृत किया गया।
2. तीनों वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में छात्राओं की अधिकतम संख्या 17 निर्धारित की गई है।
3. अध्ययन मण्डल के द्वारा यह प्रस्ताव भी पारित किया गया कि उद्यमिता, पर्यावरण एवम् कम्प्यूटर जागरुकता विषय हेतु अर्थशास्त्र, भूगोल एवं कम्प्यूटर के विषय विशेषज्ञों को भी रखा जाए। इसका अन्तिम निर्णय प्राचार्य का होगा।
4. अध्ययन मण्डल द्वारा पारित 'तुलसीदास' वैकल्पिक प्रश्नपत्र तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर हिन्दी साहित्य (एम.ए.) के पाठ्यक्रम को अकादमिक परिषद् से अविलम्ब पारित कराए जाने का प्रस्ताव हिन्दी अध्ययन मण्डल द्वारा रखा जाए।

हिन्दी अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 14/12/2020 को सम्पन्न हुई, बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार–विमर्श हुए तथा सत्र 2021 हेतु अनुमोदन किया गया।

1. बी.ए./बी.कॉम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष आधारपाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम को यथावत् स्वीकृत एवं अनुमोदित किया गया।
2. बी.ए. प्रथम, एवं तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम को उच्च शिक्षा द्वारा दिए गए पाठ्यक्रम के अनुरुप यथावत् स्वीकार किया गया।
3. बी.ए./बी.कॉम. आधारपाठ्यक्रम तृतीय प्रश्नपत्र उद्यमिता विकास, पर्यावरण चेतना, किंचित संशोधन के साथ कम्प्यूटर के मूल तत्व एवं सूचना प्रौद्योगिकी को यथावत् स्वीकार किया गया।
4. बी.ए. द्वितीय वर्ष हिन्दी साहित्य के परिवर्तित पाठ्यक्रम (उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी) को यथावत् स्वीकार किया गया।

5. बी.ए./बी.कॉम. तृतीय वर्ष, आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र तृतीय कम्प्यूटर के मूल तत्व एवं सूचना प्रौद्योगिकी में प्रथम इकाई में कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ जोड़ा गया।

6. छात्राओं मे नारी शिक्षा एवं नारी सशक्तिकरण के प्रति सचेतना जागृत करने हेतु एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र–आधुनिक कविता और उसका इतिहास में द्रुत पठन के अंतर्गत डॉ. इलाघोष की रचना 'महीयसी' के प्रथम खण्ड 'लोपा मुद्रा' रचना को को सम्मिलित किया गया एवं डॉ. शरद मिश्रा की रचना "बिटिया की पाती" को सम्मिलित किया गया।

7. छात्राओं मे पर्यावरण चेतना जाग्रत करने के लिए एम.ए. प्रथम सेमेस्टर– आधुनिक गद्य का इतिहास के अंतर्गत श्री अमृतलाल वेगड की रचना –नर्मदा तीरे तीरे' के एक अंश को सम्मिलित किया गया। एम.ए. तृतीय सेमेस्टर प्रथम प्रश्नपत्र में श्री अशोक शाह की रचना 'जंगल राग' को सम्मिलित किया गया।

8. छात्राओं में शोध के प्रति अभिरुचि जाग्रत करने हेतु लघुशोध प्रबंध (डिजर्टेशन) रखा गया जिसमें एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत शोध में रुचि रखने वाली छात्राओं को चारों प्रश्नपत्र में से किसी भी एक प्रश्नपत्र पर आधारित लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा। छात्रा को उक्त शोध कार्य चारों प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त के रूप में संपन्न करना होगा व इसमें अंक नहीं प्रदान किया जाएगा। केवल ग्रेड एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. की योजना के अंतर्गत होने वाले इस शोध कार्य का प्रमाणपत्र आई.क्यू.ए.सी. द्वारा जारी किया जाएगा।

अकादमिक परिषद हिन्दी विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं /प्रस्तावों/ निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

2. English Department

Dr Archna Singh, Head of the English department during the meeting of Academic council following additions in the under graduate English literature has been made:

In Class – B A part II, Paper I (Drama)

Unit III Addition – Oliver Goldsmith – She stoops to conquer.

Unit IV – Arms and the man

Unit V- J M. Synge, Riders to the Sea.

In Class – B A Part II, Paper II (Fiction)

Unit IV- Return of the Native

Unit V – A Room of One's Own

B A Part III , Paper II, Unit V

Vijay Tendulkar- Silence, The court is in Session

With an aim to develop the research acumen of the students of department of English offers Dissertation as an additional assignment for P G students in their III and IV Semester. The allotment of the assignment shall be subject to their academic performance in I and II Semester. The students will work under the supervision of the faculty. Successful students shall be provided with grades that may be displayed on their final semester mark sheets.

The English department also proposed that a Three Months Certificate Course in Proficiency in Spoken English Level -I be started. Looking to the needs of Industry and the fact that the prominent feeder institutions for admission course has been duly approved by the BOS English impart education in Hindi medium this level I course seems worthwhile. The course has been duly approved in the BOS of English department.

The academic council permits the above proposal / additions of English department.

3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर उर्दू साहित्य विभाग

उर्दू विभाग के अध्यक्ष डॉ एम. ए. आरिफ ने बताया कि उर्दू विभाग में उर्दू विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 31/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष का केन्द्रीय अध्ययन मण्डल से पारित पाठ्यक्रम को यथावत 2020–2021 हेतु लागू करने की अनुशंसा की गई। प्रत्येक क्लास में एक प्रोजेक्ट छात्राओं के द्वारा करवाए जाने की अनुशंसा भी की गई।
2. एम.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम को भी पूर्व की भाँति यथावत् रखा गया एवं सत्र 2020–2021 में यथावत् लागू करने की अनुशंसा की गई।
3. छात्राओं में शोध के प्रति अभिरुचि जाग्रत करने हेतु लघुशोध प्रबंध (डिजर्टेशन) रखा गया जिसमे एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत शोध में रुचि रखने वाली छात्राओं को चारों प्रश्नपत्र में से किसी भी एक प्रश्नपत्र पर आधारित लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा। छात्रा को उक्त शोध कार्य चारों प्र नपत्रों के अतिरिक्त के रूप में संपन्न करना होगा व इसमें अंक नही प्रदान किया जाएगा। केवल ग्रेड एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया जाऐगा महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. की योजना के अंतर्गत होने वाले इस शोध कार्य का प्रमाणपत्र आई.क्यू.ए.सी. द्वारा जारी किया जाएगा।

अकादमिक परिषद वर्धू विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं /प्रस्तावों/ निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

4. स्नातक संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर्मो ने बताया कि संस्कृत विभाग में संस्कृत विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 15/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. बी.ए. प्रथम वर्ष के संस्कृत पाठ्यक्रम द्वि–प्रश्नपत्रीय पाठ्यक्रम प्रणाली का सत्र 2019–2020 पाठ्यक्रम को 2020–2021 में यथावत रखा गया है।
2. बी.ए. द्वितीय वर्ष के प्रथम प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम में इकाई–तीन में भारतीय संस्कृति के अंतर्गत 'वर्णाश्रम व्यवस्था' 'पुरुषार्थ' तथा 'भारतीय कला एवं सकनीकि विज्ञान' शीर्षक जोड़े गये हैं । (सत्र 2020–2021 के अनुसार)
3. बी.ए. द्वितीय वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र की इकाई एक में रघुवंशम (द्वितीय सर्ग) के स्थान पर कुमार संभव (प्रथम सर्ग– 1–30) सम्मिलित किया गया है। (सत्र 2020–2021 के अनुसार)
4. बी.ए. तृतीय वर्ष के प्रथम व द्वितीय प्रश्नपत्रों को सत्र 2019–2020 के अनुसार 2020–2021 में यथावत रखा गया है।
5. बी.ए. प्रथम वर्ष, बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की परीक्षा में वार्षिक परीक्षा प्रणाली के अनुसार दो प्रश्नपत्र होगें।
6. प्रत्येक प्रश्नपत्र में आंतरिक मूल्यांकन 10 अंकों का होगा।

अकादमिक परिषद संस्कृत विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं /प्रस्तावों/ निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

5. स्नातक एवं स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ सुधा मेहता ने बताया कि मनोविज्ञान विभाग में मनोविज्ञान विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 09/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. सत्र (2019–20) में महाविद्यालय की स्वशासी प्रकोष्ठ द्वारा जारी पाठ्यक्रम स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया।
2. भविष्य में यदि प्राचार्य द्वारा पाठ्यक्रम में किसी भी तरह के परिवर्तन किये जाने के निर्देश दिये जाते हैं तो पाठ्यक्रम परिवर्तन किये जाने का निर्णय लिया गया

3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर सामाजिक समस्याओं को लेकर प्रोजेक्ट कार्य कराये जायें जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता आये, इस पर अनुशंसा की गयी।

4. प्रोग्राम आउटकम एवं प्रोग्राम स्पेसिफिक आउटकम पाठ्यक्रम में शामिल किये जाने की अनुशंसा की गयी।

5. स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर में आप्शनल पेपर के साथ एक पेपर के रुप में डिजर्टेशन को शामिल करने की अनुशंसा की गयी। जिसमें पेपर के समान 50 अंक होंगें।

6. सी.बी.सी.एस. स्नातकोत्तर स्तर पर प्रारंभ करने की अनुशंसा की गयी।

अकादमिक परिषद के रा. दु. वि वविद्यालय के द्वारा नामित सदस्य डॉ. विवेक मिश्रा जी ने कहा कि सी. बी. सी. एस. प्रणाली को लागू करने के पूर्व व्यापक और गहन विचार और विमर्श करने की आवश्यकता है। तत्पश्चात ही इसे लागू किया जाए। मनोविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत अन्य प्रस्तावों/निर्णयों को अकादमिक परिषद मान्य कर पारित करती है।

6. स्नातक एवं स्नातकोत्तर भूगोल विभाग

भूगोल विभाग में भूगोल विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. बी.ए. प्रथम वर्ष भूगोल, बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं बी.ए. तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम में कुछ महत्वपूर्ण प्रकरण संलग्न करने की अनुशंसा की गयी। सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक दोनों पाठ्यक्रमों की अनुशंसा की गयी।

2. एम.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सैद्धान्कि एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम का अनुमोदन हेतु अनुशंसा की गयी।

3. प्रायोगिक अध्ययन मण्डल के अन्तर्गत भौगोलिक भ्रमण हेतु छात्राओं को शहर से बाहर पर्यटन स्थलो, वन अभ्यारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों आदि का चयन कर प्रतिवर्ष बाहर ले जाया जाए जिससे छात्राओं में भौगोलिक ज्ञान के साथ–साथ पर्यावरण एवं पर्यटन स्थलों के विकास एवं सरक्षण का ज्ञान हो सके।

4. स्नातकोत्तर स्तर पर सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण कार्य को शोध परक कराया जाए तथा प्रतिवेदन के स्थान पर लघु शोध प्रबंध के रुप में छात्राओं द्वारा किये गय अध्ययन को विभाग में प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जाए जिससे शोध संबंधी ज्ञान में वृद्धि हो।

5. स्नातक स्तर पर भी छात्राओं को क्षेत्रीय अध्ययन हेतु प्रेरित किया जाए एवं छात्राओं को महाविद्यालय से बाहर भ्रमण पर सर्वेक्षण कार्य हेतु ले जाने की अनुशंसा की गयी तथा निर्देशित किया गया कि उनका प्रतिवेदन भी शोध परक होना चाहिए जिससे स्नातकोत्तर स्तर पर शोध प्रबंध तैयार कर सके।

6. प्रत्येक सत्र में विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान माला, संगोष्ठी इत्यादि आयोजित करने की अनुशंसा की गई।

अकादमिक परिषद भूगोल विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं /प्रस्तावों/ निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

7. स्नातक एवं स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग

समाज ाास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुषमा श्रीवास्तव ने कहा कि समाजशास्त्र विभाग में समाजशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 11/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. सत्र 2018–19 में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में वैकल्पिक प्रश्नपत्र 'सामाजिक जनांकिकी' के स्थान पर "औद्योगिक समाजशास्त्र" प्रश्नपत्र अनुमोदित किया गया।

2. सत्र 2019–20 में स्नातकोत्तर स्तर पर निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में आंशिक संशोधन करते हुए अनुमोदित कराया गया।

   1. एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में प्रथम प्रश्नपत्र 'शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा' में पढ़ाए जाने वाले विचारकों की निरन्तरता हेतु एक ही सेमेस्टर में शामिल कर अनुमोदित कराया गया।

      प्रथम सेमेस्टर में इकाई एक एवं द्वितीय सेमेस्टर की प्रथम इकाई का पाठ्यक्रम शामिल किया गया तथा अन्य पाठ्यक्रम के टॉपिक्स को विचारकों के आधार पर पुनर्गठित किया गया ।

      द्वितीय यूनिट में आगस्ट कॉम्ट

      तृतीय यूनिट में कार्ल मार्क्स

      चतुर्थ यूनिट में कार्ल मार्क्स

      पंचम यूनिट में इमाइल दुर्खीम

      एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर में

प्रथम यूनिट में इमाइल दुर्खीम

द्वितीय यूनिट में मैक्स वेबर

तृतीय यूनिट मे मैक्स वेबर

चतुर्थ यूनिट में विलफ्रेडो पैरेटो

पंचम यूनिट में थार्सटीन वेबलीन निर्धारित किया गया।

2. एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र "भारत में नगरीय समाज" में पाठ्यक्रम की अन्तर्वस्तु की निरन्तरता बनाये रखने हेतु दोनों प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रमों को क्रमानुसार पुनर्गठित किया गया।

3. एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर वैकल्पिक प्रश्नपत्र "औद्योगिक समाजशास्त्र" के द्वितीय यूनिट में श्रम संगठन एवं श्रमिक आन्दोलन के स्थान पर अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन एवं श्रमिक संघ का अध्यापन किया जाना अनुमोदित किया गया।

अकादमिक परिषद समाजशास्त्र विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं /प्रस्तावों/ निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

8. स्नातक एवं स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग की ओर से डॉ. गुजराल ने कहा कि अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 14/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. स्नातक कक्षाओं बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नपत्रों का अध्यापन केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित वार्षिक परीक्षाओं पर आधारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगा।

2. एम.ए. में वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में जेंडर इकॉनामिक्स प्रश्नपत्र को लागू करने का प्रस्ताव रखा गया। महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, महिला श्रम जैसे विषयों को ध्यान में रखते हुए इस प्रश्नपत्र का चुनाव किया गया।

3. पर्यावरण जागरुकता से संबंधित गतिविधियों का संचालन स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र परिषद् द्वारा अनिवार्यता किया जाएगा।

4. वैकल्पिक प्रश्नपत्र में औद्योगिक अर्थशास्त्र के अंतर्गत एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षा को औद्योगिक भ्रमण हेतु ले जानाया जाएगा, सी.सी.ई. के प्राप्तांक छात्राओं के सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर दिए जाएगें।

5. वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के अंतर्गत् कृषि अर्थशास्त्र प्रश्नपत्र में भी किसानो की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का एक सर्वेक्षण करवाया जाएगा। सी.सी.ई. के प्राप्तांक सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर दिये जायेगें।

अकादमिक परिषद अर्थशास्त्र विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं /प्रस्तावों/ निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

9. स्नातक एवं स्नातकोत्तर इतिहास विभाग

इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. वंदना गुप्ता ने बताया कि इतिहास विभाग में इतिहास विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम जो केन्द्रीय अध्ययन मण्डल भोपाल द्वारा अनुशंसित हैं इन्हें यथावत् लागू करने पर सहमति व्यक्त की गई। महाविद्यालयीन आन्तरिक गुणवत्ता आश्वस्ति प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के निर्देशानुसार वर्तमान सत्र 2020–2021 से स्नातक अन्तिम वर्ष की छात्राओं को प्रोजेक्ट कार्य करना अनिवार्य है। इसका उल्लेख अंकसूची में भी ग्रेड देकर किया जावेगा।

2 एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में 'लघु शोध प्रबंध' ऐच्छिक रुप से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य छात्राओं में शोध प्रवृत्ति को जागृत करना है। यह समस्त प्रश्नपत्रों के अध्ययन के साथ पूर्णतः ऐच्छिक है।

3. म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिये गये थे। जिसके तहत इतिहास विभाग ने स्नातकोत्तर तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में ऐच्छिक प्रश्नपत्र 'भारत में राज्य' के स्थान पर 'पर्यटन मे ऐतिहासिक अनुप्रयोग' (Historical Application in Tourism) सत्र 2021–22 से प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित किया है। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य छात्राओं को ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों विशेष रुप से मध्यप्रदेश के स्थलों के बारे में अवगत कराना एवं इसके साथ ही पर्यटन को प्रोत्साहन देना है।

10. स्नातक प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व

इतिहास विभाग में प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित स्नातक स्तर बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष मे प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विषय के पाठ्यक्रम को आंशिक संशोधन के साथ विगत सत्र में अनुशंसित किया गया था को यथावत् लागू करने की अनुशंसा की गई।

2. वर्तमान सत्र से स्नातक अन्तिम वर्ष में महाविद्यालयीन आई.क्यू.ए.सी. के निर्देशानुसार प्रोजेक्ट कार्य अनिवार्य किया जाता है। इसका उल्लेख छात्राओं की अंकसूची में भी ग्रेड के साथ किया जावेगा।

11. स्नातक एवं स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग

दर्शनशास्त्र विभाग में दर्शनशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (भारतीय नीतिशास्त्र की प्रथम इकाई में –• "वैदिक दर्शन में पर्यावरणीय चेतना" शीर्षक जोड़ा गया ।
2. एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र (धर्मदर्शन) की पाँचवी इकाई में "लिंगभेद व भ्रूण हत्या: विभिन्न धार्मिक दृष्टिकोण" शीर्षक जोड़ा गया।
3. एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र की इकाई प्रथम में "समकालीन भारतीय चिंतन में नारी शिक्षा" शीर्षक जोड़ा गया। शेष पाठ्यक्रम यथावत् रहेगा।

अध्ययन मण्डल के सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2020–2021 में Yogic Philosophy and Practices का सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा गया। कोर्स की अवधि 3 माह होगी तथा कोर्स शुल्क 500/– प्रति छात्रा होगा। पाठ्यक्रम में प्रारंभ में 30 सीटों का प्रावधान किया गया जिसमें उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकेगा। परीक्षा में कुल अंक 250 होगें जिसमें 150 अंक सैद्धान्तिक परीक्षा हेतु एवं 100 अंक प्रायोगिक परीक्षा में होगें। उक्त कोर्स का संचालन महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा किया जाएगा।

उक्त कोर्स को 2021–2022 से लागू करने हेतु अनुमति प्रदान करती है।

12. स्नातक एवं स्नातकोत्तर राजनीतिशास्त्र विभाग

राजनीतिशास्त्र विभाग में राजनीतिशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 08/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम को केन्द्रीय अध्ययन मण्डल भोपाल द्वारा अनुशंसित किये गये को यथावत रखा गया ।
2. स्नातकोत्तर स्तर के समस्त सेमेस्टरों के पाठ्यक्रमों को पूर्व की भाँति इस सत्र में भी यथावत् रखा गया है।
3. छात्राऐं एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में शोध के प्रति रुचि जागृत करने हेतु चार पेपर के अतिरिक्त वैकल्पिक विषय के रुप में लघुशोध प्रबंध ले सकती है।

अकादमिक परिषद् निर्णय करती है कि इसमें ग्रेड प्रदान किया जाये एवं एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की योजना को सत्र 2021–22 से लागू की की अनुशंसा करती है।

13. स्नातक स्तर (कला संकाय) : कम्प्यूटर एप्लीकेशन

भूगोल विभाग में कम्प्यूटर एप्लीकेशन विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 15/02/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष कम्प्यूटर एप्लीकेशन के पाठ्यक्रम का अनुमोदन किया गया।

2. बी.ए. प्रथम वर्ष में चर्चा उपरान्त विशेषज्ञों द्वारा Multimedea and CorelDraw पर व्याख्यान आयोजित कराने की अनुशंसा की गयी तथा पांचवी यूनिट में जोड़ा जाए।

3. बी.ए. द्वितीय वर्ष में Networking (Hardware) and E-Commerce पर विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर व्याख्यान कराया जाए तथा पाठ्यक्रम में प्रथम इकाई में जोड़ा जाए। अनुशंसा की गयी।

4. बी.ए. तृतीय वर्ष में Digital Marketing पर प्रायोगिक अध्ययन हेतु विशेष बल दिये जाने की अनुशंसा की गयी ।

अकादमिक परिषद उक्त अनुशंसाओं को मान्य कर प्रस्तावों को पारित करती है ।

14. स्नातक एवं स्नातकोत्तर चित्रकला विभाग

चित्रकला विभाग में चित्रकला विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 11/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार "चित्रकला विषय स्वंय में ही रोगारोन्मुखी है। अतः स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राओं को सेमेस्टर अन्तराल में ऐसे विषय उपलब्ध कराये जायेगें, जिससे छात्राएँ स्वरोजगार हेतु प्रेरित हो।

2. स्थानीय स्तर पर विभागीय छात्राओं को कला धरोहरों के अध्ययन हेतु भ्रमण की अनुशंसा की गई।

3. अध्यय मण्डल के सभी सम्मानीय विषय विशेषज्ञों द्वारा चित्रकला के विषयान्तर्गत अध्ययन एवं अध्यापन की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए सी.बी.सी.एस. प्रणाली को यथोचित नहीं माना है, अतः इसकी अनुशंसा नहीं की।

4. अध्ययन मण्डल द्वारा सत्र 2020–21 हेतु स्नातक एवं स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम को यथावत रखते हुए सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।

5. पूर्वानुसार भूतपूर्व छात्राओं द्वारा निशुल्क कला प्रशिक्षण अध्ययनरत् छात्राओं हेतु किया जाए इसकी अनुशंसा की गई ।

अकादमिक परिषद उक्त अनुशंसाओं को मान्य कर पारित करती है।

15 स्नातक गृहविज्ञान विभाग

गृहविज्ञान विभाग में गृहविज्ञान विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 21/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम जो कि केन्द्रीय अंध्ययन मण्डल द्वारा स्वीकृत है उस पर चर्चा कर उन्हें स्वीकृत किया गया।
2. बी.ए. के तीनों वर्षो में प्रोजेक्ट कार्य करवाये जाने की अनुशंसा की गई।
3. प्रायोगिक कक्षाओं में विभिन्न संस्थाओं की विजिट रखी गई ।
4. डे केयर सेन्टर, खाद्य संरक्षण एवं हेन्डलूम हाउस शासकीय/निजी, एन.जी.ओ. द्वारा संचालित हो वहां विजिट के लिए ले जाना।

अकादमिक परिषद् बी.ए. के तीनों वर्षो में प्रोजेक्ट कार्य करवाए जाने के प्रस्ताव को मान्य कर पारित करती है ।

16. स्नातक एवं स्नातकोत्तर संगीत विभाग

संगीत विभाग में संगीत विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 14/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. स्नातक स्तर पर बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों को यथावत् रखा गया।
2. बी.ए. तृतीय वर्ष के प्रथम प्रश्नपत्र के पंचम इकाई में महिला संगीतकारों के संगीत के क्षेत्र में योगदान को पूर्व से ही सम्मिलित किया जा चुका है।
3. स्नातकोत्तर कक्षाओं में भी महिला संगीतकारों को संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पाठ्यक्रम में पूर्व से ही सम्मिलित किया जा चुका है उसे पुनः स्वीकृत/अनुमोदित किया गया।
4. स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम को यथावत् रखा गया है।
5. संगीत विषय पूर्णतः प्रायोगिक होने के कारण तबला संगतकारों की नियुक्ति होना अत्यंत आवश्यक है तबला संगतकारों के अभाव में पाठ्यक्रम पूर्ण करना असंभव होता है यह विचार सभी सदस्यों द्वारा पुनः व्यक्त किया गया । अकादमिक परिषद् तबला संगतकारों की नियुक्ति की अनुशंसा करती है।

17. स्नातक एवं स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग में वाणिज्य विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनाँक 08/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. स्नातक स्तर पर बी.कॉम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों को यथावत् रखा गया।
2. बी.कॉम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में कम्प्यूटर एप्लीकेशन विषय हेतु वार्षिक पद्धति पर आधारित उच्च शिक्षा से स्वीकृत पाठ्यक्रम को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
3. एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर एवम् एम.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर तथा एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर एवम् एम.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर में पूर्व में मान्य पाठ्यक्रमों को स्वीकृति दी गई ।
4. स्नातकोत्तर कक्षाओं में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सी.बी.सी.एस.) प्रारंभ करना प्रस्तावित है।
5. वाणिज्य संकाय की अधोसंरचना इस प्रकार की है कि संसाधनों की पर्याप्तता नहीं है शिक्षकों की संख्या भी छात्र संख्या के अनुपात में कम है अतः प्रतिवर्ष नव प्रवेशित छात्राओं की संख्या बढ़ाने से छात्रों की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
6. शासन के आदेशानुसार बी.कॉम. प्रथम वर्ष एवम् एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर में महिला शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए संसाधनों की अपर्याप्तता होते हुए भी छात्र संख्या में वृद्धि की गई।

अकादमिक परिषद ने सर्वसम्मति से उपरोक्त विभागों के प्रस्तावों/निर्णयों को मान्य करते हुए पारित किया।

क 2 महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजयकांत खरे प्रस्ताव रखते हुए कहा कि समस्त विषयों के स्नातक व स्नातकोतर पाठ्यकमों को प्रिंट करा कर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाना है। उक्त प्रसताव को को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

क 3 डॉ. खरे ने छात्राओं द्वारा महाविद्यालय के पोर्टल के माध्यम से परीक्षा आवेदन भरना एवं शुल्क जमा करने की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही उन्होने महाविद्यालय की प्राचार्य के निर्देशानुसार स्नातक/ स्नातकोतर अंतिम वर्श/सेमेस्टर की छात्राओं से डिग्री शुल्क महाविद्यालय में जमा करवाने का प्रस्ताव रखा। उक्त प्रस्ताव को भी अकादमिक परिषद ने पारित किया।

क 4 .1 महाविद्यालय का तृतीय चक्र का नैक निरीक्षण सत्र 2020 .21 में होना है। महाविद्यालय के गुणवत्ता आश्वस्ति प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. सुधा मेहता ने सत्र 2015.16से लेकर सत्र 2018.19 तक नेक बेंगलोर को प्रेषित ए. क्यू. आर. को अकादमिक परिषद के समक्ष रखा। डा सुधा मेहता ने सूचित किया कि सत्र 2019.20 की ए. क्यू. आर उक्त सत्र की आडिट रिपोर्ट प्राप्त होते नेक को प्रेषित की जाएगी। अकादमिक परिषद वि. वि द्वारा नामित सदस्यों डॉ शैलेश चौबे तथा डॉ विवेक मिश्रा ने नैक के उक्त निरीक्षण हेतू समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

12/14

बिन्दु क्रमांक 09 के अंतर्गत महाविद्यालय की रिसर्च पॉलिसी को प्रस्तुत करते हुए डॉ. स्मृति शुक्ल ने कहा कि पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य शोध को समाजोपयोगी बनाना है। हमें छात्राओं को शोध हेतु प्रेरित करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। महाविद्यालय के प्राध्यापकों के अंतर्गत जो विद्यार्थी शोधरत् है उन्हें अपने शोध महाविद्यालय की पत्रिका अन्वीक्षा, ई–पत्रिका, शोधगंगा व महाविद्यालय की वेबसाइट में अपलोड करना होगा। महाविद्यालय के प्राध्यापकों के अंतर्गत शोध कर रहे प्रत्येक शोधार्थी को 1000/– रु. शुल्क महाविद्यालय में जमा कराने की अनुशंसा करती है।

डॉ. विवेके मिश्रा ने कहा कि शोध के संदर्भ में सामाजिक/राजनीतिक/आर्थिक घटनाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया जाना आवश्यक है। विद्यार्थी परेशान है, उसे बाहर संविधान और मानवाधिकार दृष्टिगोचर नहीं हो रहे है। समाज और कक्षाओं में समाजस्य होना आवश्यक है। विद्यार्थी को डिग्री प्रदान करना ही काफी नहीं है उसका चहुँमुखी विकास हो, शिक्षक को ऐसा प्रयास करना चाहिए कि विद्यार्थियों से स्थानीय क्षेत्र से संबंधित विषयों पर चर्चा की जाना आवश्यक है। प्रस्तुत शोध पॉलिसी को मान्य करते हुए डॉ. मिश्रा ने महाविद्यालय की रिसर्च पॉलिसी बनाने हेतु और अधिक गंभीर विचार–विमर्श की आवश्यकता व्यक्त की।

डॉ. शैलेष चौबे ने कहा कि सभी को नैक संबंधी एक्ट करना है। परस्पर सहयोग करना है। शोध हेतु अपने शहर की समस्याओं को बच्चों के माध्यम से पहचानने की आवश्यकता है। बच्चों के माध्यम से असामाजिक तत्वों के पहचान करना आवश्यक है। बच्चों के माता–पिता से भी फीडबैक प्राप्त किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होनें कहा कि प्रोजेक्ट, शोध और प्रसार शिक्षा के साथ–साथ विभिन्न शिक्षा संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (MOU) किया जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए एवं महाविद्यालय की शोध पॉलिसी को लागू किया जाना चाहिए। शोध पॉलिसी को समय–समय पर यू.जी.सी. के दिशा–निर्देशों के अनुसार अपडेट किया जाना चाहिए।

अकादमिक परिषद विभागों द्वारा पाठ्यक्रम में जोडे गए पाठों/अध्याय को सत्र 2020–2021 से लागू करने हेतु अनुमत करती है। अकादमिक परिषद विभागों द्वारा लघु शोध प्रबंध, प्रोजेक्ट कार्य तथा सर्टिफिकेट कोर्स के प्रस्तावों को सत्र 2021–22 से लागू करने की अनुमति प्रदान करती है।

प्राचार्य की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा :

श्री वीरसिंह द्वारा दिये गये प्रस्ताव के अनुसार महाविद्यालय में पूर्व में पदस्थ प्राचार्य स्व. (श्रीमती) एग्नेस ठाकुर के पति श्री वीरसिंह द्वारा स्व. एग्नेस ठाकुर की स्मृति में स्नातकोत्तर इतिहास की विषय की एक निर्धन छात्रा को Merit Cum Means Scholarship आधार पर रु. एक लाख (1,00,000/–) से प्राप्त ब्याज की राशि से प्रतिवर्ष देने हेतु आवेदन दिया है।

Academic Meeting 17/2/21

चयन इतिहास विभाग द्वारा किया जावेगा एवं डॉ. एग्नेस ठाकुर की पुस्तकें, रेक्स, अलमारी महाविद्यालय पुस्तकालय में दान करने हेतु आवेदन दिया है।अतः समिति उक्त दोनों प्रस्तावों को मान्य करते हुए अनुमति प्रदान करती है ।

समिति के हस्ताक्षर

(प्रो. विवेक मिश्र)
सदस्य
शैक्षणिक परिषद्

(प्रो. शैलेष चौबे)
सदस्य
शैक्षणिक परिषद्

प्राचार्य/अध्यक्ष
शैक्षणिक परिषद्

समस्त विभागाध्यक्ष – सदस्य

(डॉ. नीना उपाध्याय)
विभागाध्यक्ष, हिन्दी

(डॉ. अर्चना सिंह)
विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी

(डॉ. बी.एल. आर्मो)
विभागाध्यक्ष, संस्कृत

(डॉ. एम.ए. आरिफ)
विभागाध्यक्ष, उर्दू

(डॉ. सुषमा श्रीवास्तव)
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र

(डॉ. रश्मि चौबे)
विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र

(डॉ. नोएल दान)
विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र

(डॉ. सुनीता मिश्रा)
विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र

(डॉ. वंदना गुप्ता)
विभागाध्यक्ष, इतिहास

(डॉ. ब्रम्हा नंद त्रिपाठी)
विभागाध्यक्ष, भूगोल

(डॉ. सुधा मेहता)
विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान

(डॉ. कल्पना गुप्ता)
विभागाध्यक्ष, गृहविज्ञान

(डॉ. किरण शुक्ला)
विभागाध्यक्ष, चित्रकला

(डॉ. राजीव जैन)
विभागाध्यक्ष, संगीत

(डॉ. नन्दिनी भारिल्ल)
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य

प्राचार्य द्वारा नामित सदस्य

(डॉ. मनोज प्रियदर्शन)
उप परीक्षा नियंत्रक

(डॉ. स्मिता जैन)
प्राध्यापक, मनोविज्ञान

(डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव)
प्राध्यापक, इतिहास

(डॉ. जे.के. गुजराल)
प्राध्यापक, अर्थशास्त्र

विशेष आमंत्रित

(डॉ. दीपक श्रीवास्तव)
प्राध्यापक, राजनीतिशास्त्र

(संजय कान्त खरे)
परीक्षा नियंत्रक

(डॉ. अर्चना चतुर्वेदी)
प्रभारी, स्वशासी समिति